OM-9- 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 09/07/2021 9:40 AM Page 12

विश्व पर्यावरण दिवस पर... ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन

खुले दिल से करें 'प्रकृति' से प्रेम

भोपाल-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ युवा प्रभाग के "यूथ फॉर ग्लोबल पीस" प्रोजेक्ट के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित 'खुले दिल से करें प्रकृति से प्रेम' विषयक वेबिनार में मुख्य वक्ता **ब्र.कु. कृति दीदी,राष्ट्रीय संयोजिका,युवा प्रभाग** ने बताया कि सुख-शांति का आधार सिर्फ वैभव नहीं, बल्कि प्रकृति के तत्व भी हैं। अगर सभी लोग तीन पौधे लगाने व उसका अच्छी रीति ध्यान रखने की ज़िम्मेदारी लें तो प्रकृति निश्चित ही पावन बन जाएगी। **क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. अवधेश बहन** ने कहा कि जिस प्रकार प्रकृति के पाँचों तत्व हमेशा दूसरों की सेवा में अपना सहयोग देते हैं। उसी प्रकार हमें भी हर मानव के प्रति, प्रकृति के प्रति सेवा भाव रखना है। सबका सहयोगी बनना है। अगर हम प्रकृति का ध्यान रखेंगे तो वह हमारा ध्यान रखेगी। **डॉ. आशुतोष शर्मा,संचालक ग्रुप ऑफ स्कूल्स समेरिटन्स, आईआईएचएम** ने बताया कि हमारी सोच, हमारे संकल्पों का सबसे पहले वातावरण पर प्रभाव पड़ता है। जिस दिन विचारों में, संकल्पों में, सोच में शुद्धता आ गयी और मानव एक-दूसरे के प्रति, प्रकृति के प्रति, शुभ भावना रखने लग गए तो निश्चित ही यह विश्व स्वर्ग में परिवर्तित हो जायेगा। मौके पर **ब्र.कु. आकृति, कमेटी मेम्बर,युवा प्रभाग,भोपाल ज़ोन** ने सभी को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया और साथ ही प्रकृति के तत्वों को सकाश भी दिया। **ब्र.कु. रेखा,ज़ोनल कोऑर्डिनेटर,प्रभाग** ने बताया कि जिस प्रकार आत्मा और शरीर का आपस में सामंजस्य है, उसी प्रकार प्रकृति भी मानव जाति का एक अहम् हिस्सा है। **ब्र.कु. सुनीता,सब ज़ोनल कोऑर्डिनेटर, प्रभाग** ने स्वागत व **ब्र.कु. जानकी, कमेटी मेम्बर, युवा प्रभाग,भोपाल ज़ोन** ने संचालन किया।

अगर हमारी आंतरिक प्रकृति सही होगी तो आस-पास एक अच्छे वातावरण का, सुंदर समाज का और साथ ही एक सम्पूर्ण पवित्र विश्व का निर्माण कर सकेंगे **-डॉ. सीताशरण शर्मा,पूर्व सभापति म.प्र. विधान सभा,विधायक होशंगाबाद।**

जीवन जीने की पद्धति का नाम है 'योग'

धमतरी-छ.ग.। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'योग हमारे भीतर एक यात्रा' विषय पर आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में **योगाचार्य विश्वेश चिखले,डायरेक्टर,ऑल इंडिया योगा काउंसिल फॉर प्रोफेशनल एक्सीलेंस कॉलेज,रत्नागिरी कोंकण महा.** ने वर्तमान कोरोना महामारी के समय हमें कौन से योगाभ्यास करने चाहिए और उससे क्या-क्या फायदे हैं ये प्रैक्टिकल करके दिखाया। आप कोविड सेंटर में पेशेन्ट्स को ये अभ्यास सिखाते हैं जिससे अनेकों को बहुत फायदा भी हुआ। **विधायक रंजना साहू** ने सभी को इस अभ्यास को प्रतिदिन करने के लिए प्रेरित किया। **नगर निगम महापौर विजय देवांगन** ने प्रैक्टिकल योगा करके दिखाया तथा सभी को अच्छे स्वास्थ्य के लिए शुभकामनायें दीं। **समाज कल्याण विभाग धमतरी के उपसंचालक एम.एल. पाल** ने सभी को वर्चुअल योगा के लिए प्रेरित किया। योगा विकास सेंटर से योगाचार्य विकास भाई ने सभी को ऑनलाइन योगा प्राणायाम करके दिखाया तथा उसकी सम्पूर्ण जानकारी दी। **आयुर्वेद रत्न प्रहलाद देवांगन** ने प्राणायाम करके दिखाया तथा ये किन-किन बीमारियों को ठीक करता है ये बताया। **ब्र.कु. सरिता दीदी** ने कहा कि संसार में प्रत्येक मानव चाहता है कि अपने सम्पूर्ण जीवन को जी भरके जिए, और योग जी भरके जीने का एक नाम है, जड़ी बूटी है। छत्तीसगढ़ शासन के योग-आयोग में ब्रह्माकुमारीज़ के भाई-बहनों के योगा करते विडियो शेयर किये गये। संचालन ब्र.कु. नवनीता ने किया।

योग को अपने जीवन का हिस्सा बना लें

ग्वालियर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के युवा प्रभाग द्वारा 'यूथ फॉर ग्लोबल पीस' प्रोजेक्ट के अंतर्गत 'युवा और योग' विषय पर आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में **ब्र.कु. रेखा,संयोजिका,युवा प्रभाग,भोपाल ज़ोन, सीधी** ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया एवं प्रभाग द्वारा चलाये जा रहे प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। **ब्र.कु. नीता दीदी,उपक्षेत्रीय संचालिका,नीलबड़,भोपाल** ने कहा कि दिन प्रतिदिन बढ़ते आपसी मन मुटाव, चिंता, भय, तनाव, बीमारियों से दूर रहने के लिए ज़रूरी है कि शारीरिक योग के साथ-साथ हम मेडिटेशन को अपने जीवन का हिस्सा बना लें। **विशिष्ट अतिथि डॉ. संतोष कुमार गुजरे,संकाय सदस्य,योग अध्ययनशाला, डॉ.बी. आर.अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्व विद्यालय,महू** ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि योग एक ऐसी परम औषधि है जिसकी शरण में आते ही हमको स्वास्थ्य, सुख, सारी चीज़ें हासिल हो जाती हैं। **ब्र.कु. शैलजा दीदी,उपक्षेत्रीय संचालिका,छतरपुर** ने कहा कि अपने सर्व सम्बंध उस परमात्मा के साथ जोड़ लें और परमात्मा की शक्तियों का अनुभव करें जिससे हम मानसिक रूप से शक्तिशाली तो हो ही जायेंगे साथ ही स्वयं को शारीरिक रूप से भी शक्तिशाली अनुभव करने लगेंगे। **ब्र.कु. निर्मला दीदी,उपक्षेत्रीय संचालिका,रीवा** ने कहा कि हम सभी को प्रकृति से बहुत प्रेम करना चाहिए क्योंकि सही मायने में प्रकृति के बिना ये जीवन चल ही नहीं सकता। **ब्र.कु. रेखा,उपक्षेत्रीय संचालिका,मुरैना, ब्र.कु. सरोज,उपक्षेत्रीय संचालिका,बीना, ब्र.कु. पंचशिला ,उपक्षेत्रीय संचालिका,सीहोर ने भी सम्बोधित किया। ब्र.कु. सुनीता,सह संयोजिका,युवा प्रभाग, होसंगाबाद** ने सभी अतिथियों एवं युवाओं का आभार व्यक्त किया। संचालन **ब्र.कु. नीलम,सदस्य,युवा प्रभाग,सागर** ने किया।

अगर जीवन के हर कदम में सफलता तथा एक स्वस्थ जीवन चाहिए तो उसके लिए ज़रूरी है स्वयं को एकाग्र करना और वह तभी हो सकेगा जब योग और अध्यात्म को अपने जीवन का हिस्सा बना लेंगे **- श्रीमति मीना शर्मा,व्याख्याता, राज्य स्तरीय शासकीय योग प्रशिक्षण केन्द्र,भोपाल।**

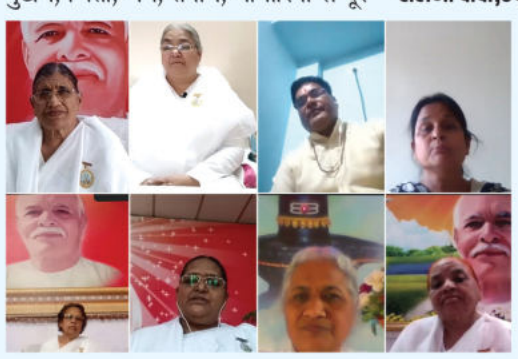

'समर्पणता' ही मातेश्वरी को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि

भरतपुर-राज.। स्थानीय सेवाकेन्द्र द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ की प्रथम मुख्य प्रशासिका जगदम्बा सरस्वती के 56वें पुण्य स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में **राजयोगिनी ब्र.कु. कविता दीदी,जिला प्रभारी भरतपुर,संयुक्त प्रभारी आगरा उपक्षेत्र** ने बताया कि जगदम्बा सरस्वती जी के संकल्प, बोल और कर्म एक समान थे। उनकी प्रेरणा से लाखों भाई-बहनें आध्यात्मिकता से जुड़े और अपना जीवन मानव से देवतुल्य बनाया। **मुख्य अतिथि प्रो. राजेश धाकरे ,कुलपति,महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय** ने कहा कि मातेश्वरी जी अपनी त्याग तपस्या से हर मनुष्य आत्मा के दिल में आज भी बसती हैं। यहाँ आकर मुझे बहुत ही शांति व शक्ति का अनुभव हुआ। **विशिष्ट अतिथि डॉ. देशराज सिंह,उपनिदेशक,कृषि विभाग** ने कहा कि हम समाज के लिए, देश के लिए, दुनिया के लिए अपना जीवन जगदम्बा सरस्वती की भांति समर्पित करें तो ही जीवन की सार्थकता है, तभी मातेश्वरी को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। **सम्मानित अतिथि महाराज डॉ. कौशल किशोर दास,पीठाधिश्वर,सिद्ध पीठ खोरी** भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे एवं मातेश्वरी जी को श्रद्धा सुमन अर्पित किये। **ब्र.कु. बबिता दीदी,सह प्रभारी भरतपुर** ने राजयोग की शिक्षा का महत्व बताया। **ब्र.कु. जुगल किशोर सैनी** ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ब्र.कु. प्रवीणा, ब्र.कु. गीता, ब्र.कु. जयसिंह, ब्र.कु. भगवान सहित अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

चिकित्सक दिवस पर...

चिकित्सकों का हुआ सम्मान

बहल-हरियाणा। चिकित्सक दिवस पर कस्बे के डॉक्टर्स, नर्स व पैरामेडिकल स्टाफ को बधाई देते हुए **सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शकुन्तला दीदी** ने कहा कि पिछले 18 महीने से सभी डॉक्टर्स ने कोरोना वॉरियर्स बनकर अपने जान की भी परवाह किये बिना कोरोना संक्रमितों की सेवा की है। आज चिकित्सक दिवस पर सारा राष्ट्र उनके अदम्य साहस और सेवा भाव के आगे नत मस्तक है। आज के दिन हम अपने उन बहादुर डॉक्टर्स को भी नमन करते हैं जो अपने कर्त्तव्य से विमुख नहीं हुए और दूसरों के प्राण बचाने में अपने प्राणों की आहुति दे दी। साथ ही उन्होंने सभी मेडिकल स्टाफ के स्वस्थ व सुरक्षित रहने की कामना की। इस मौके पर **डॉ. सुनील चावला** ने ब्रह्माकुमारी बहनों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। **डॉ. अजीत** ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर हमारे लिए भी किसी परीक्षा से कम नहीं थी परंतु साहस और धीरज के साथ हम स्वयं भी सुरक्षित रहे और औरों को भी सुरक्षित कर पाए। **मानव कल्याण अस्पताल बहल के डॉ. डी.पी. बूरा व डॉ. शर्मिला बूरा, चिल्ड्रन अस्पताल बहल के डॉ. सुनील, डॉ सुरेन्द्र सांगवान** तथा अन्य डॉक्टर्स व स्टाफ ने ब्रह्माकुमारीज़ का धन्यवाद दिया।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th July, 2021
स्वामी - राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, प्रकाशक एवं सम्पादक - गंगाधर नरसिंघानी, मुद्रक - डी.बी. कॉर्प.लि. द्वारा भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस, डी.बी. कॉर्प.लि.,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, आबू रोड(राज.)- 307510
See Latest News - www.omshantimedia.org